संख्याः 2586/79–6–07

प्रेषक,

प्रमुख सचिव,
बेसिक शिक्षा,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

शिक्षा अनुभाग–(6) लखनऊ दिनांकः 25 सितम्बर, 2007

विषयः सभी विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन पकाये जाने के संबंध में।

महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों द्वारा किया जा रहा है। प्रायः यह देखने में आ रहा है कि जिस ग्राम पंचायत में एक से अधिक विद्यालय हैं, वहॉ भोजन प्रत्येक विद्यालय में अलग–अलग न पकाकर ग्राम पंचायत के किसी एक विद्यालय में पकाकर अन्य विद्यालयों को उपलब्ध कराया जाता है। यह व्यवस्था उचित नहीं है। इसमें न केवल भोजन की गुणवत्ता प्रभावित हेाती है वहीं व्यवस्था के अनुश्रवण में भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

अतः आपसे अपेक्षा है कि ऐसी ग्राम पंचायतों के सभी विद्यालयों में पृथक–पृथक भोजन पकाये जाने की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। उक्त के साथ ही यह भी अवगत कराना है कि विद्यालयों में भोजन में सोयाबीन का प्रयोग न किए जाने एवं खराब गुणवत्ता की सोयाबीन का प्रयोग किए जाने की शिकायतें भी प्राप्त हो रही हैं। अतः सभी विद्यालयों में सोयाबीन का प्रयोग अनिवार्य करते हुए, गुणवत्तायुक्त सोयाबीन ही इस्तेमाल किया जाए। इसके अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि एफ.सी.आई. से निर्गत उसी गुणवत्ता का खाद्यान्न जिसका सैम्पल लिया गया है, प्रधान/विद्यालय स्तर पर प्राप्त हो रहा है।

उपरोक्त के साथ ही मध्यान्ह भोजन योजना के निरीक्षण एवं अनुश्रवण में निम्न समस्यायें भी प्रकार में आई हैं, जिनका निराकरण किया जाना योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु अत्यन्त आवश्यक है –

1. भोजन नियमित रूप से न मिलना।
2. खाद्यान्न की उपलब्धता एवं गुणवत्ता।
3. परिवर्तन लागन का समय से ग्राम निधि में स्थानान्तरण न होना।
4. भोजन पर्याप्त मात्र में न दिया जाना।
5. भोजन मध्यान्ह अवकाश के समय उपलब्ध न होना।
6. भोजन पकाने वाले बर्तनों की कमी।
7. रसोईया/सहायक की नियमित व्यवस्था न होना।
8. भोजन बनाने के स्थान पर सुरक्षा के मानकों का पालन न करना।
9. बच्चों को भोजन परोसने से पहले भोजन चखकर परीक्षण न किया जाना।

उक्त के अतिरिक्त इस बात पर विशेष जोर दिया जाए कि मध्यान्ह भोजन वितरण के पश्चात बर्तनों को धुलकर ही रखा जए एवं भोजन बनाने तथा वितरण किए जाने वाले स्थान

की ठीक ढंग से साफ–सफाई की जाए ताकि विद्यालयों में स्वच्छतापूर्ण व स्वास्थ्यप्रद वातावरण का निर्माण किया जाना संभव हो सके।

भवदीय,

ह0

(रोहित नन्दन)

प्रमुख सचिव